

**CLASS : 10th (Secondary)**

**1958/1908**

**Series : Sec. M/2017**

Total No. of Printed Pages : 24

**SET : A, B, C & D**

**MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS**

**SANSKRIT**

*Academic/ Open*

(Only for Fresh Candidates)

---

उप परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर.  
पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल  
किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

---

**General Instructions :**

- (i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*
- (ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*
- (iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*
- (iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

**1958/1908/(Set : A, B, C & D)**

**P. T. O.**

- (v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*
- (vi) *A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*
- (vii) *If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*
- (viii) *If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*
- (ix) *Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%, on both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*
- (x) *Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

- (xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not heeded to, will bring a bad name to them and the Institution.*

**महत्त्वपूर्ण निर्देश :**

- (i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
- (ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।
- (iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।
- (iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।
- (v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।
- (vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

**आवश्यक निदेश :**

- (i) मूल्यांकन करने से पूर्ण पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी-2' का अध्ययन अवश्य करें।
- (ii) मूल्यांकन नियमों का पालन करते हुए मूल्यांकन करें।
- (iii) यदि कोई परीक्षार्थी दो या तीन अंकों से अनुत्तीर्ण हो रहा हो तो उसकी उत्तरपुस्तिका का पुनः अवलोकन अवश्य करें।
- (iv) अशुद्धियों की स्थिति में उचित अनुपात से अंक प्रदान करें।
- (v) दिए गए सम्भावित उत्तरों के अतिरिक्त पाठ्यपुस्तक के तथा व्याकरण सम्भव अन्य उत्तर भी स्वीकार्य हैं।

**नोट :** उत्तर समाप्त होने पर पूरे अंक देकर नीचे रेखा खींचें।  
उत्तरपुस्तिका के बाहर अंक जमा करें जिससे अंक योजना में त्रुटि न हो।

**SET – A****खण्ड: 'क'****(अपठित-अवबोधनम्)**

1. (क) संस्कृतभाषायाः पुनरुज्जीवनं संस्कृतप्रयोगेण भविष्यति।  
(ख) भारतस्य आत्मा संस्कृत्या प्रकाशते।  
(ग) छात्राः विदेशभ्यः अध्ययनार्थं अत्र आगच्छन्ति स्म।  
(घ) नालन्दा तक्षशिलादि विश्वविद्यालयेषु विविधानि शास्त्राणि पाठ्यन्ते स्म। 4 × 2 = 8

खण्ड: 'ख'

(रचनात्मक-कार्यम्)

2. (क) (i) दूरभाषेण।  
 (ii) हिमपातः।  
 (iii) यात्रिणः।  
 (iv) मनोरमाणि। 4 × 1 = 4
- (ख) (i) परिवारः।  
 (ii) कापाटिकायाम्।  
 (iii) उपरि।  
 (iv) पितुः। 4 × 1 = 4

खण्ड: 'ग'

(पठित-अवबोधनम्)

3. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के तृतीय पाठ 'शिशुलालनम्' से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

अथवा

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के सप्तम पाठ 'भूकम्प-विभीषिका' से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

4. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के व्यायाम: सर्वदा पथ्य: नामक चतुर्थ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

अथवा

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'सुभाषितानि' नामक षष्ठ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

5. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के निम्न पाठों से **दो** सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है :  $2 \times 2 = 4$
- (क) "सुभाषितानि" षष्ठ पाठ।  
 (ख) "प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृद्" नवम् पाठ  
 (ग) "अन्योक्तयः" दशम पाठ।  
 (घ) "जीवनं विभवं विना" द्वादश पाठ।
6. "भूकम्प विभीषिका" नामक सप्तम पाठ के प्रस्तुत गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार हैं :  $3 \times 1 = 3$
- (क) ज्वालामुखपर्वतानां विस्फोटैः भूकम्पो जायते।  
 (ख) अग्नि शिलादिया सञ्चयं क्वथयति।  
 (ग) भूकम्पविशेषज्ञाः कथयन्ति यत् ज्वालामुखपर्वतानां विस्फोटैरपि भूकम्पो जायते।
7. "व्यायामः सर्वदा पथ्यः" नामक चतुर्थ पाठ से लिए गए श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार हैं :  $2 \times 1 = 2$
- (क) व्यायामिनं जरा न समधिरोहति।  
 (ख) मांसं स्थिरं भवति।
8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्ननिर्माण —  $3 \times 1 = 3$
- (क) कः  
 (ख) कुत्र  
 (ग) कस्य
9. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक से कोई **एक** श्लोक संस्कृत भाषा में अपेक्षित है जो प्रश्नपत्र में न हो। 4

## खण्ड: 'घ'

## (अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

10. (क) दीर्घ सन्धि अथवा व्यञ्जन सन्धि की सोदाहरण परिभाषा हिन्दी भाषा में। 2
- (ख) तत्पुरुष समास अथवा द्वन्द्व समास की सोदाहरण परिभाषा हिन्दी भाषा में। 2
- (ग) करण कारक अथवा अपादान कारक की सोदाहरण परिभाषा हिन्दी भाषा में। 2
11. अव्ययों से रिक्त स्थानों की पूर्ति : 3 × 1 = 3
- (क) अत्र
- (ख) एव
- (ग) यत्र
12. उचित उपपद विभक्ति का प्रयोग : 4 × 1 = 4
- (क) ग्रामं
- (ख) कर्णाभ्याम्
- (ग) फलेभ्यः
- (घ) वृक्षात्
13. निर्दिष्ट शब्द रूप : 4 × 1 = 4
- (क) बालकाय
- (ख) लतया
- (ग) साधोः
- (घ) युष्माकम्

14. निर्दिष्ट धातुरूप :

4 × 1 = 4

(क) भवतः

(ख) पठिष्यसि

(ग) अगच्छः

(घ) खादतु

15. निर्दिष्ट उपसर्ग :

3 × 1 = 3

(क) प्र

(ख) अधि

(ग) उप

खण्ड: 'ड'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (ii) कोऽत्र

16 × 1 = 16

(ख) (ii) एक + एकः

(ग) (i) शक्तिम् अनतिक्रम्य

(घ) (iii) तत्पुरुषः

(ङ) (i) मूर्खः

(च) (iv) दोषः

(छ) (i) नृपः

(ज) (iii) सलिलम्

(झ) (iii) ज्ञानवान्

(ञ) (i) त्व



- (ट) (iii) विंशतिः  
 (ठ) (ii) 99  
 (ड) (ii) प्रवासः  
 (ढ) (iv) कुमारयोः  
 (ण) (i) पंचवादने  
 (ii) सप्तवादने

## SET – B

## खण्डः 'क'

## (अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) यस्य वित्तं भवति लोकाः तमेव कुलीनं मन्यन्ते।  
 (ख) धनप्रभावेण अपूज्यः अपि पूज्यते।  
 (ग) कुरूपोऽपि धनस्य प्रभावेण सुरुपः कथ्यते।  
 (घ) धनस्य प्रभावेण अवन्द्योऽपि वन्द्यते। 4 × 2 = 8

## खण्डः 'ख'

## (रचनात्मकं-कार्यम्)

2. (क) (i) प्रथमसत्रीया  
 (ii) भ्रमणाय  
 (iii) रूप्यकाणि  
 (iv) अनुमतिः 4 × 1 = 4

- (ख) (i) मेघाच्छन्नम्  
(ii) कर्गदनौकाः  
(iii) धारयति  
(iv) उपविष्टा: 4 × 1 = 4

**खण्ड: 'ग'****(पठित-अवबोधनम्)**

3. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के द्वितीय पाठ 'गुणवती कन्या' से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

**अथवा**

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के पंचम पाठ 'बुद्धि बलवती सदा' से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

4. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'व्यायामः सर्वदा पथ्यः' नामक चतुर्थ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

**अथवा**

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'सुभाषितानि' नामक षष्ठ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

5. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के निम्न पाठों से दो सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है : 2 × 2 = 4

- (क) 'व्यायामः सर्वदा पथ्यः' चतुर्थ पाठ।  
(ख) 'बुद्धि बलीवती सदा' पंचम पाठ।  
(ग) 'शुचिपर्यावरणम्' प्रथम पाठ।  
(घ) 'सुभाषितानि' षष्ठ पाठ।

6. 'गुणवती कन्या' नामक चतुर्थ पाठ के प्रस्तुत गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार हैं :  $3 \times 1 = 3$
- (क) वृद्धदासी साभिप्रायं अवलोकिता।
- (ख) तुषाः भूषणमार्जनसमर्थाः कथिताः।
- (ग) शालीन आतपे किञ्चित् विशोष्य मुहुर्मुहुः परिवर्त्य समायां भूमौ अघट्टयत्।
7. 'सुभाषितानि' नामक षष्ठ पाठ से उद्धृत श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार है :  $2 \times 1 = 2$
- (क) अश्वः धावने वीरः भवति।
- (ख) भारतस्य वहने खरः वीरः भवति।
8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण —  $3 \times 1 = 3$
- (क) कस्मात्
- (ख) कुत्र
- (ग) कूः
9. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक से कोई एक श्लोक संस्कृत भाषा में अपेक्षित है जो प्रश्नपत्र में न हो। 4

खण्ड: 'घ'

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

10. निर्दिष्ट परिभाषाएँ उदाहरण सहित हिन्दी में अपेक्षित हैं।
- (क) व्यंजन सन्धि अथवा गुण सन्धि 2
- (ख) द्वन्द्व समास अथवा द्विगु समास। 2
- (ग) करण कारक अथवा सम्प्रदान कारक। 2
11. अव्ययों से रिक्त स्थानों की पूर्ति : 3 × 1 = 3
- (क) तथा
- (ख) तावत्
- (ग) बहिः
12. उचित उपपद विभक्ति का प्रयोग : 4 × 1 = 4
- (क) परितः
- (ख) भूतेभ्यः
- (ग) नगरात्
- (घ) विना
13. निर्दिष्ट शब्द रूप : 4 × 1 = 4
- (क) रामेण
- (ख) साधोः
- (ग) मत्याम् (मतौ)
- (घ) अस्मान्

14. निर्दिष्ट धातुरूप : 4 × 1 = 4
- (क) नमसि  
(ख) कथयन्तु  
(ग) पतिष्यावः  
(घ) अकरोत्
15. निर्दिष्ट उपसर्ग : 3 × 1 = 3
- (क) सम्  
(ख) अनु  
(ग) प्रति

खण्ड: 'ड'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (iv) गावश्च 16 × 1 = 16
- (ख) (i) यत्र + आस्ते  
(ग) (i) नद्याः समीपम्  
(घ) (ii) तत्पुरुष  
(ङ) (iii) आदरः  
(च) (ii) सुलभः  
(छ) (iii) पत्नी  
(ज) (iv) पत्तनम्  
(झ) (iii) मृतः  
(ञ) (iv) ल्यप्

- (ट) (i) 13  
 (ठ) (i) विंशतिः  
 (ड) (iv) समुदाचारः  
 (ढ) (ii) हृदयग्राही  
 (ण) (i) षड्वादने  
 (ii) दशवादने

## SET – C

## खण्डः 'क'

## (अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) अस्मिन् युगे समाचारपत्रस्य महत्त्वपूर्णं स्थानं विद्यते।  
 (ख) समाचारपत्रेण मानवः ज्ञातुमिच्छति यत् अस्माकं देशे विदेशे च काः मुख्यघटनाः घटिताः।  
 (ग) मनुष्यः सामाजिकः प्राणी अस्ति।  
 (घ) समाचारपत्रं मनुष्यस्य जिज्ञासां पूरयति।  $4 \times 2 = 8$

## खण्डः 'ख'

## (रचनात्मकं-कार्यम्)

2. (क) (i) तत्रास्तु  
 (ii) वार्षिकोत्सवम्  
 (iii) वधूरिव  
 (iv) मुख्यातिथिः  $4 \times 1 = 4$

(ख) (i) चित्रे

(ii) अन्ये

(iii) क्षिपत्

(iv) रक्षणीयम्

4 × 1 = 4

खण्ड: 'ग'

(पठित-अवबोधनम्)

3. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'गुणवती कन्या' नामक द्वितीय पाठ से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

अथवा

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'शिशुलालनम्' नामक तृतीय पाठ से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

4. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'व्यायामः सर्वदा पथ्यः' नामक चतुर्थ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

अथवा

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'सुभाषितानि' नामक षष्ठ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

5. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के निम्न पाठों से दो सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है : 2 × 2 = 4

(क) 'शिशुलालनम्' तृतीय पाठ।

(ख) 'प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृद' नवम पाठ।

(ग) 'सुभाषितानि' षष्ठ पाठ।

(घ) 'जीवनं विभवं विना' द्वादश पाठ।

6. 'गुणवती कन्या' नामक द्वितीय पाठ से उद्धृत प्रस्तुत गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार है :  $3 \times 1 = 3$
- (क) कुमारी विरलभूषणा आसीत्।  
 (ख) शक्तिकुमारः कुमारीं कावेरीतीरपत्तने अपश्यत्।  
 (ग) सा आकृति शीलविरोधिनी न आसीत्।
7. 'सुभाषितानि' नामक षष्ठ पाठ से उद्धृत श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार है :  $2 \times 1 = 2$
- (क) फलछायासमन्वितः महावृक्षः सेवितव्यः।  
 (ख) छाया न निवार्यते।
8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण —  $3 \times 1 = 3$
- (क) कं  
 (ख) कस्याः  
 (ग) कस्य
9. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक से कोई एक श्लोक संस्कृत भाषा में अपेक्षित है जो प्रश्नपत्र में न हो। 4

**खण्ड: 'घ'****(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)**

10. (क) अयादि सन्धि अथवा व्यंजन सन्धि की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में। 2



- (ख) द्विगु समास अथवा अव्ययीभाव समास की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में। 2
- (ग) करण कारक अथवा अपादान कारक की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में। 2

11. अव्ययों से रिक्त स्थानों की पूर्ति : 3 × 1 = 3  
 (क)  
 (ख)  
 (ग)
12. उचित उपपद विभक्ति का प्रयोग : 4 × 1 = 4  
 (क) पुत्राय  
 (ख) पुत्रेण  
 (ग) धनं  
 (घ) नेत्राभ्याम्
13. निर्दिष्ट शब्द रूप : 4 × 1 = 4  
 (क) बालकेषु  
 (ख) मुनये  
 (ग) कन्याभिः  
 (घ) ताभ्याम्
14. निर्दिष्ट धातुरूप : 4 × 1 = 4  
 (क) भविष्यथः  
 (ख) पठाम  
 (ग) पिबति  
 (घ) गच्छतम्

15. निर्दिष्ट उपसर्ग :

3 × 1 = 3

(क) अव

(ख) अधि

(ग) प्रति

खण्ड: 'ड'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (ii) स्वागतम्

16 × 1 = 16

(ख) (iv) परि + ईक्षितुम्

(ग) (i) अहः च निशा च

(घ) (ii) बहुव्रीहि

(ङ) (iii) दुर्लभः

(च) (i) विपत्तौ

(छ) (iii) सत्वरम्

(ज) (ii) नगरम्

(झ) (iv) सामाजिकः

(ञ) (i) त्व

(ट) (iii) 25

(ठ) (iv) नवचत्वारिंशत्

- (ड) (iv) स्पर्शः  
 (ढ) (iii) कुमारयोः  
 (ण) (i) पंचवादने  
 (ii) सप्तवादने

## SET – D

## खण्डः 'क'

## (अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) काकः वृक्षे उपविष्टः आसीत्।  
 (ख) शृगालः काकं दृष्ट्वा अवदत् – भो मित्र! खगेषु भवान् मधुरः गायकः।  
 (ग) काकः रोटिकाखण्डं पादयोः अद्यः अस्थापयत्।  
 (घ) शृगालः लज्जितः अभवत्। 4 × 2 = 8

## खण्डः 'ख'

## (रचनात्मक-कार्यम्)

2. (क) (i) सस्नेहं  
 (ii) तत्रास्तु  
 (iii) प्रतियोगितासु  
 (iv) स्वर्णपदकं 4 × 1 = 4

(ख) (i) उद्यानस्य

(ii) सह

(iii) रज्ज्वा

(iv) शाटिकां

4 × 1 = 4

खण्ड: 'ग'

(पठित-अवबोधनम्)

3. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'गुणवती कन्या' नामक द्वितीय पाठ से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

अथवा

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'बुद्धि बलवती सदा' नामक पंचम पाठ से उद्धृत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

4. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'शुचिपर्यावरणम्' नामक प्रथम पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

अथवा

'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के 'व्यायामः सर्वदा पथ्यः' नामक चतुर्थ पाठ से उद्धृत श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

5. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक के निम्न पाठों से दो सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है : 2 × 2 = 4

(क) 'सुभाषितानि' षष्ठ पाठ।

(ख) 'प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृद' नवम पाठ।

(ग) 'विचित्रः साक्षी' एकादश पाठ।

(घ) 'अन्योक्तयः' दशम पाठ।

6. 'विचित्रः साक्षी' नामक एकादश पाठ से उद्धृत प्रस्तुत गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित उत्तर इस प्रकार हैं : 3 × 1 = 3
- (क) जनः निर्धनः आसीत्।  
 (ख) जनः भूरि परिश्रम्य वित्तम् उपार्जितवान्।  
 (ग) तनयः छात्रावासे निवसन् अध्ययने संलग्नः समभूत्।
7. 'जीवनं विभवं विना' नामक द्वादश पाठ से उद्धृत श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने हैं। सम्भावित इस प्रकार है : 2 × 1 = 2
- (क) व्याकुला गृहिणी मूर्धनि शीर्णशूर्पशकलं दधाति।  
 (ख) सलिलं कपरेण सिंचति।
8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण — 3 × 1 = 3
- (क) कस्य  
 (ख) कान्  
 (ग) कं
9. 'शेमुषी-2' पाठ्यपुस्तक से कोई **एक** श्लोक संस्कृत भाषा में अपेक्षित है जो प्रश्नपत्र में न हो। 4

**खण्ड: 'घ'**

**(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)**

10. (क) वृद्धि सन्धि अथवा व्यंजन सन्धि की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में। 2
- 1958/1908/(Set : A, B, C & D) P. T. O.

(ख) द्विगु समास अथवा तत्पुरुष समास की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में। 2

(ग) करण अथवा सम्प्रदान कारक की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में। 2

11. अव्ययों से रिक्त स्थानों की पूर्ति :  $3 \times 1 = 3$

(क) सदा

(ख) मा

(ग) पुरा

12. उचित उपपद विभक्ति का प्रयोग :  $4 \times 1 = 4$

(क) तं

(ख) नृपाय

(ग) नगरात्

(घ) छात्रेण

13. निर्दिष्ट शब्द रूप :  $4 \times 1 = 4$

(क) रामाय

(ख) लतासु

(ग) नघौ

(घ) केम्यः

14. निर्दिष्ट धातुरूप : 4 × 1 = 4
- (क) गच्छ  
(ख) अखादाम  
(ग) पास्यतः  
(घ) स्वः
15. निर्दिष्ट उपसर्ग : 3 × 1 = 3
- (क) वि  
(ख) सु  
(ग) उप

खण्ड: 'ड'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (i) स्वागतम् 16 × 1 = 16
- (ख) (ii) कः + चित्
- (ग) (i) राज्ञः पुरुषः
- (घ) (iii) अव्ययीभावः
- (ङ) (iv) दोषः
- (च) (iii) अनादरः
- (छ) (ii) बालिका

- (ज) (iv) राजा  
(झ) (i) सामाजिकः  
(ञ) (iii) अनीयर्  
(ट) (i) 33  
(ठ) (iii) षष्टिः  
(ड) (ii) प्रवासः  
(ढ) (ii) उदात्तरभ्यः  
(ण) (i) पंचवादने  
(ii) षड्वादने

